

श्रीगणेशाय नमः

सर्व भूतानां त्रैलोक्ये

पुण्यस्थानं

श्रीगणेशाय नमः

सर्वभूत

पुण्यस्थानं

पुण्यस्थानं

पुण्यस्थानं

पुण्यस्थानं

पुण्यस्थानं

श्रीगणेशाय नमः

१	५०		२५
२	४०	१	४०
३	४०	२	६०
४	४०	३	८०
५	३०	४	७०
६	३०	५	६०
७	३०	६	१०५
८	३०	७	८०
९	३०	८	५०
१०	३०	९	१००

११	२०		११०
१२	२०		११२
१३	४०	६५	१२०
१४	२०	७०	१००
१५	२०	६०	१००
१६	२०	८०	१००
१७	२०	४५	१००
१८	२०	५०	१००
१९	२०	५५	१००
२०	२०	१००	४५

राजा नाना ॥ ॥ क दे पा हा पा ॥
 न जो रा व स हा पा दि हा व स ॥ ३
 मी सा भा सि हो त रा हा ज भा न ॥ ३
 न पा व न हा स हे हा मो ता म
 हा जो रा ॥ ३ जो हा म न व रा दि
 हा ॥ ॥ लोक हो त फे हा ना व हा ॥
 पा गु हा वि हा दि न ॥ ३ ज ति न
 पर स न गु पे म हा हा हो व हो व
 जि पा पि या पा हा हा चा पा ने
 हा हा ठे हा हा ॥ ३ आ नं ध रि
 जो वे स ॥ ॥ ॥ हा रि हा हा

पा वि नं पि हा पा हा हा हा ॥
 मि त्र का हा त हा ना हा हा
 अ ने अ ने दो दे के ना ना ना
 कार धा ना ॥ ३ गो हा जि त उ प
 हा ॥ ॥ चान हा नं सु म हा पा ॥ ३
 मे न ने दे व पा के ॥ ३ अ हा हा
 ना जि हा हा द हा द य के हा
 हा ॥ ॥ थ हा दि हा व पु त वि न
 हा म पो हा हा ना जि न ॥ ३ आ हा
 न व पा अ हा हा हा हा ॥ ३
 अ हा हा हा हा हा हा हा

निबन्धनः श्रीजयप्रकारनामा
॥ १ ॥ अथ कथाया देहि चलाति
नथागुपान-चोतलैः साध
नलक रसा न चान ॥

राग आर ॥ ॥ ति मि वि नु का दु क
 म रि दि न रा त ॥ ॥ के ॥ दे द द ह
 पो दा व न ग त अ धे रो ॥ ॥ द न क
 ले पा नि ठा त ॥ ॥ व ॥ दि न दि न
 रा ग पो व गी भ ह म ह ॥ ॥ सा क सु
 कि सु कि आ ज ॥ २ ॥ पो दु म क
 हा र ई म पो र व ॥ ॥ सु द द को व

निवात ॥ ३ ॥ सहिसहि पोवि
इन्दु अव धरुको ॥ रवाह कलि
दुःख काला ॥ ४ ॥

राशनीर्गुन ॥ ॥ वचादे घोदरपन
मेमुषरा ॥ वचादे घोदरपन ॥ निन
कादयाधर ॥ नाडिननका मुष
रा ॥ वरि ॥ पकियातादिपतसप्रा
नातेलहागी मुतरपन ॥ येक
दिन ॥ नौ साहो नौ गा ॥ साधुको वा
मे घोदे गा ॥ नमे मुषरा ॥ वा ॥
गौरि तदिपा नाडि परमा ॥ तिर

राचाहि पेदिनामे ॥ धर प्रि धर
 मिस्तव पारुतिरि गाणे पापी पुवे
 मलमे मुधरा ॥ २ ॥ धर वारे धर
 हि मेरा जित पसि राजी वन मे ॥
 वन का पंछि वन हि मेरा जमि
 दिरा जित लमे मुधरा ॥ ३ ॥
 है ॥ ॥ मलम स्ति वाता दोदि
 न काहे वस्ति ॥ ॥ श्री ॥ नैसे म
 मय जो गाव तोरे भोग करे नर

॥ १ ॥ श्री गणेशाय नमः ॥

मगवा ॥ भौरि हे सं सार जग मे
 दोर था कि पोद ॥ मस्ती ॥ वा ॥ ए
 म भजन को दे ह व न म पा रा
 ए न हि कि या ॥ जे म का ल
 कि प्या दा आ पा मि ॥ वचा प ह
 ता ॥ २ ॥ रा म भजन को श्र
 ता दि पो हे म म ल म न व रा हि
 सुष कुन का र सा पु न ड प डा
 पे ना ह क न न म ग भा ई ॥ ३ ॥

मुखमेशप्रानाप्र वागहृदक
 तारिकतिहाके मनुया॥ आ
 परमेवजहारिहारि मरिग
 पेराम सुमरशा नहि जाना
 ॥ ५॥ परमानन्द केहे सुनसा
 च अलमसुनिनिहि होना॥ स
 वसे भावा प्रेमसरचना राम
 नाम लो जाना॥ पा॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

शगदि धामा
 रसमंद छि न सौ सोदि लु हि ॥
 सुली छे वनी गु जी
 गुली छे चि गलि ये मी सारि
 गलि छे जे रा के माल वै माठ
 ली यो क्का दे छो मे जे प्र ठा
 ठी को बो ली नन मत मा लया
 रे की नु सुं मा पा दा व दी
 घारी म जा के ला ल जा क
 वे वा ला ल नु छे ह था
 ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

